

प्रेषक,

मनीषा पंवार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

समाज कल्याण उत्तराखण्ड,

हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 01 फरवरी, 2010

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के प्रथम अनुपूरक में समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत भिक्षावृत्ति निवारण अधिष्ठान हेतु अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी, 2010 तथा शासनादेश संख्या : 515/XXVII/(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के प्रथम अनुपूरक के अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्नानुसार **रु० 8,00,000/- (रु० आठ लाख मात्र)** की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-515/XXVII/(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में उल्लिखित समस्त शर्तों का पालन सुनिश्चित किया जाय।
4. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
5. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य /लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनेत्तर/आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
6. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।



7. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।
8. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
9. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
10. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
11. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथम अनुपूरक अनुदानों की मांगे वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी, 2010 क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त

भवदीय,

( मनीषा पंवार )  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 968/XVII-02/2009-बजट10(33) 2009तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,  
(धीरेन्द्र सिंह देताल)  
उप सचिव

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-104-04-00

मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण

उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण


लघु शीर्षक : 104-वृद्ध अशक्त, दुर्बल तथा निस्सहाय निराश्रित व्यक्तियों का कल्याण

उप शीर्षक : 04-भिक्षावृत्ति का निवारण

ब्यौरेवार शीर्षक : 00

		(धनराशि हजार रुपये में)
क्रम संख्या	मानक मद	आवंटित धनराशि
1.	09-विद्युत देय	300
2.	41-भोजन व्यय	500
	योग	800

(रू0 आठ लाख मात्र)

  
(धीरेन्द्र सिंह/दताल)  
उप सचिव